

UGC NET/JRF • SET • TGT • PGT • UPSC • RPSC

आधुनिक काल

(काव्य खंड + गद्य खंड)

हिन्दी साहित्य • MCQ प्रश्नोत्तरी

2500+ प्रश्नोत्तरी

भारतेन्दु • द्विवेदी • छायावाद

प्रगतिवाद • प्रयोगवाद • नयी कविता

उपन्यास • कहानी • नाटक

निबंध • आलोचना • दलित विमर्श

NET स्तर के कठिन प्रश्न

उत्तर साथ में • व्याख्या सहित

केवल कृष्ण घोड़ेला

एम.ए., बी.एड., नेट (हिंदी) • कॉलेज व्याख्याता



store.hindisahity.com

इस PDF में क्या-क्या है? — विषय-सूची एवं पृष्ठ-सारणी

कुल 2570 प्रश्न • 31 सेट • हर सेट के बाद उत्तर-सारणी, उत्तरमाला-व्याख्या और आपके अपने नोट्स के पृष्ठ — देखिए कौन-सा टॉपिक किस पृष्ठ पर है।

सेट / टॉपिक (खंड)	प्रश्न	प्रश्न-पृष्ठ	उत्तर-व्याख्या पृष्ठ	नोट्स पृष्ठ
सेट-1 : आधुनिक काल : पृष्ठभूमि, नामकरण, काल-विभाजन और नवजागरण	90 प्रश्न	6-11	12-14	15-16
क. नामकरण, सीमा और काल-विभाजन	1-19	6-7		
ख. सामाजिक-राजनीतिक पृष्ठभूमि	20-44	7-8		
ग. गद्य-संस्थाएँ, प्रेस और प्रारंभिक संकेत	45-71	8-9		
घ. पूर्वपरि संबंध और मिश्रित	72-90	9-11		
सेट-2 : भारतेन्दु युग की कविता	89 प्रश्न	17-22	23-25	26-27
क. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : जीवन और कृतित्व	1-21	17		
ख. भारतेन्दु-मंडल के कवि	22-54	17-19		
ग. प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ	55-79	19-21		
घ. पंक्ति-पहचान और अन्य	80-89	21-22		
सेट-3 : द्विवेदी युग की कविता	92 प्रश्न	28-33	34-36	37-38
क. महावीर प्रसाद द्विवेदी और काल-निर्धारण	1-13	28		
ख. मैथिलीशरण गुप्त	14-36	28-29		
ग. हरिऔध, श्रीधर पाठक और अन्य कवि	37-71	29-31		
घ. महाकाव्य, प्रवृत्तियाँ और मिश्रित	72-92	31-33		
सेट-4 : छायावाद I : जयशंकर प्रसाद और सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	105 प्रश्न	39-44	45-47	48-49
क. छायावाद : उद्भव, प्रवर्तक और परिभाषा	1-11	39		
ख. जयशंकर प्रसाद : जीवन और काव्य-कृतियाँ	12-31	39-40		
ग. कामायनी	32-47	40-41		
घ. निराला : जीवन और कृतियाँ	48-84	41-42		
ङ. मिश्रित और पुनरावृत्ति	85-105	42-44		
सेट-5 : छायावाद II : सुमित्रानन्दन पंत, महादेवी वर्मा; प्रवृत्तियाँ और आलोचक	101 प्रश्न	50-55	56-58	59-60
क. सुमित्रानन्दन पंत	1-29	50-51		
ख. महादेवी वर्मा	30-57	51-52		
ग. छायावाद की प्रवृत्तियाँ, अलंकार और समीक्षा	58-72	52-53		
घ. छायावाद के अन्य कवि	73-101	53-55		
सेट-6 : छायावादोत्तर कविता : राष्ट्रीय-सांस्कृतिक धारा और वैयक्तिक गीति-धारा	108 प्रश्न	61-66	67-69	70-71
क. राष्ट्रीय-सांस्कृतिक धारा के कवि	1-27	61-62		
ख. रामधारी सिंह 'दिनकर'	28-51	62-63		
ग. वैयक्तिक गीति-धारा : बच्चन, नरेन्द्र शर्मा, अंचल आदि	52-108	63-66		
सेट-7 : प्रगतिवाद	101 प्रश्न	72-77	78-80	81-82
क. पृष्ठभूमि, संगठन और सैद्धांतिक आधार	1-17	72		
ख. प्रमुख कवि : नागार्जुन	18-35	72-73		
ग. केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन, सुमन आदि	36-82	73-75		
घ. प्रवृत्तियाँ, पंक्तियाँ और अभ्यास	83-101	75-77		
सेट-8 : प्रयोगवाद (तार सप्तक)	98 प्रश्न	83-88	89-91	92-93
क. नामकरण, तार सप्तक और सप्तक-परंपरा	1-22	83-84		
ख. अज्ञेय	23-45	84-85		
ग. मुक्तिबोध, शमशेर, भवानीप्रसाद मिश्र आदि	46-77	85-86		
घ. प्रपद्यवाद और प्रयोगवाद की प्रवृत्तियाँ	78-85	86		
ङ. मिलान, कथन और अभ्यास	86-98	86-88		
सेट-9 : नयी कविता और समकालीन कविता	124 प्रश्न	94-100	101-104	105-106

क. नयी कविता : नामकरण, स्वरूप और प्रवृत्तियाँ	1-15	94		
ख. प्रमुख नये कवि	16-55	94-96		
ग. साठोत्तरी कविता और आंदोलन	56-67	96		
घ. समकालीन कवि और कविताएँ	68-101	96-98		
ङ. नवगीत, ब्रजभाषा काव्य, हिंदी गज़ल	102-112	98		
च. मिलान, कथन और अभ्यास	113-124	98-100		
सेट-10 : आधुनिक कविता : पंक्ति-पहचान, मिलान और कालक्रम	73 प्रश्न	107-111	112-114	115-116
क. पंक्ति-पहचान : कवि कौन?	1-44	107-109		
ख. कृति-पहचान : पंक्ति किस कृति की?	45-58	109		
ग. मिलान : कवि-कृति-विशेषता	59-66	109-110		
घ. कालक्रम	67-73	110-111		
सेट-11 : मॉक टेस्ट-1 (टफ लेवल, 100 प्रश्न)	100 प्रश्न	117-122	123-125	126-127
क. आधुनिक कविता (खंड-अ)	1-38	117-118		
ख. गद्य खंड की झलक	39-70	118-119		
ग. कथन, असर्जन-रीजन और कालक्रम (टफ)	71-100	119-122		
सेट-12 : गद्य का उद्भव, फोर्ट विलियम कॉलेज और आरंभिक पत्रकारिता	82 प्रश्न	128-132	133-135	136-137
क. प्राचीन गद्य-रूप	1-11	128		
ख. ब्रज और दक्खिनी गद्य	12-27	128-129		
ग. खड़ी बोली गद्य के चार स्तंभ	28-45	129		
घ. फोर्ट विलियम कॉलेज और ईसाई मिशनरी	46-63	129-130		
ङ. आरंभिक पत्रकारिता	64-82	130-132		
सेट-13 : भारतेंदु युग का गद्य	63 प्रश्न	138-141	142-143	144-145
क. भाषा-शैली के विवाद और प्रमुख गद्यकार	1-18	138		
ख. निबंधकार — भट्ट, प्रताप, प्रेमघन आदि	19-40	138-139		
ग. अनुवाद, ग्रंथकार तथा अन्य गद्य रूप	41-63	139-141		
सेट-14 : द्विवेदी युग का गद्य और भाषा-सुधार	58 प्रश्न	146-149	150-151	152-153
क. महावीरप्रसाद द्विवेदी और 'सरस्वती'	1-15	146		
ख. प्रमुख निबंधकार	16-35	146-147		
ग. पत्रिकाएँ और भाषा-सुधार	36-58	147-149		
सेट-15 : उपन्यास-I : आरंभ से प्रेमचन्द-युग तक	72 प्रश्न	154-157	158-160	161-162
क. आरंभिक उपन्यास और प्रथम उपन्यास विवाद	1-21	154-155		
ख. तिलस्मी-ऐयारी और जासूसी उपन्यास	22-28	155		
ग. प्रेमचन्द और उनके उपन्यास	29-49	155-156		
घ. प्रेमचन्द-युग के अन्य उपन्यासकार	50-72	156-157		
सेट-16 : उपन्यास-II : मनोवैज्ञानिक, ऐतिहासिक और प्रेमचन्दोत्तर धारा	77 प्रश्न	163-167	168-170	171-172
क. मनोविश्लेषणवादी और व्यक्तिवादी उपन्यास	1-27	163-164		
ख. अशक, वर्मा, राहुल, चतुरसेन, रांगेय राघव	28-49	164-165		
ग. नागर, द्विवेदी, यशपाल	50-77	165-167		
सेट-17 : उपन्यास-III : आंचलिक, आधुनिकता-बोध, महिला और समकालीन उपन्यास	85 प्रश्न	173-177	178-180	181-182
क. आंचलिक उपन्यास	1-32	173-174		
ख. आधुनिकता-बोध और नयी पीढ़ी के उपन्यास	33-53	174-175		
ग. महिला और दलित उपन्यास	54-85	175-177		
सेट-18 : कहानी-I : उद्भव, प्रसाद और प्रेमचन्द-युग	84 प्रश्न	183-187	188-190	191-192
क. उद्भव और प्रथम कहानी विवाद	1-17	183		
ख. प्रेमचन्द की कहानियाँ	18-36	183-184		
ग. गुलेरी, प्रसाद और अन्य कहानीकार	37-61	184-185		
घ. प्रेमचन्दोत्तर कहानीकार	62-84	185-187		
सेट-19 : कहानी-II : नयी कहानी, कहानी-आंदोलन, महिला और दलित कहानी	75 प्रश्न	193-196	197-199	200-201

क. कहानी-आंदोलन	1-16	193		
ख. नयी कहानी के कहानीकार और संग्रह	17-47	193-194		
ग. महिला कहानीकार	48-57	194-195		
घ. दलित कहानी	58-75	195-196		
सेट-20 : नाटक-I : उद्भव, भारतेन्दु-युग, द्विवेदी-युग और प्रसाद-युग	72 प्रश्न	202-205	206-207	208-209
क. प्रथम नाटक विवाद और प्राचीन नाट्य-रूप	1-13	202		
ख. भारतेन्दु के नाटक	14-39	202-203		
ग. द्विवेदी-युग और प्रसाद-युग	40-72	203-205		
सेट-21 : नाटक-II : प्रसादोत्तर, समकालीन नाटक, एकांकी और रंगमंच	82 प्रश्न	210-214	215-217	218-219
क. प्रसादोत्तर नाटक	1-11	210		
ख. समकालीन नाटक	12-50	210-212		
ग. गीतिनाट्य, अनूदित नाटक	51-55	212		
घ. एकांकी और रंगमंच	56-82	212-214		
सेट-22 : निबंध	80 प्रश्न	220-224	225-227	228-229
क. निबंध : उद्भव, द्विवेदी-युग से शुक्ल-युग तक	1-28	220-221		
ख. शुक्लोत्तर और ललित निबंध	29-55	221-222		
ग. विचार प्रधान और व्यंग्य निबंध	56-80	222-224		
सेट-23 : आलोचना-I : भारतेन्दु से शुक्लोत्तर युग तक	87 प्रश्न	230-234	235-237	238-239
क. आरंभिक आलोचना	1-16	230		
ख. श्यामसुंदर दास और शोध-परंपरा	17-23	230-231		
ग. आचार्य रामचंद्र शुक्ल	24-49	231-232		
घ. द्विवेदी, वाजपेयी, नगेंद्र आदि	50-87	232-234		
सेट-24 : आलोचना-II : मार्क्सवादी, नयी समीक्षा, स्त्री व दलित विमर्श तथा संपादन	90 प्रश्न	240-244	245-247	248-249
क. मार्क्सवादी आलोचना	1-22	240		
ख. नयी समीक्षा	23-48	240-241		
ग. स्त्री विमर्श और दलित विमर्श की आलोचना	49-67	241-242		
घ. संपादक और ग्रंथावली	68-90	242-244		
सेट-25 : जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र और गद्यकाव्य	81 प्रश्न	250-253	254-256	257-258
क. आत्मकथा	1-39	250-251		
ख. जीवनी	40-49	251		
ग. रेखाचित्र	50-59	251-252		
घ. संस्मरण और गद्यकाव्य	60-81	252-253		
सेट-26 : यात्रावृत्त, रिपोतजि, डायरी, पत्र, साक्षात्कार, व्यंग्य और लघुकथा	59 प्रश्न	259-262	263-264	265-266
क. यात्रावृत्त	1-20	259		
ख. रिपोतजि	21-27	259-260		
ग. डायरी, पत्र और साक्षात्कार	28-43	260		
घ. व्यंग्य और लघुकथा	44-59	260-262		
सेट-27 : पत्र-पत्रिकाएँ और उनके संपादक	82 प्रश्न	267-271	272-274	275-276
क. आरंभिक पत्रकारिता (1826-1900)	1-23	267		
ख. द्विवेदी युग तथा स्वाधीनता काल की पत्रिकाएँ	24-48	267-268		
ग. स्वातंत्र्योत्तर पत्रिकाएँ	49-64	268-269		
घ. दलित पत्रकारिता	65-82	269-271		
सेट-28 : गद्य खंड : मिलान, कालक्रम और परीक्षा-प्रवृत्ति (PYQ)	48 प्रश्न	277-280	281-282	283-284
क. प्रथम / जनक प्रश्न	1-6	277		
ख. मिलान	7-15	277-278		
ग. कालक्रम	16-20	278		
घ. परीक्षा-प्रवृत्ति (PYQ-शैली)	21-48	278-280		
सेट-29 : दलित विमर्श : कविता, कहानी, उपन्यास, आत्मकथा और चिंतन	60 प्रश्न	285-288	289-290	291-292
क. दलित कविता	1-17	285		

ख. दलित कहानी	18-29	285-286		
ग. दलित उपन्यास	30-38	286		
घ. दलित आत्मकथा और चिंतन	39-60	286-288		
सेट-30 : साहित्य अकादमी पुरस्कार (हिंदी) 1955-2024	91 प्रश्न	293-297	298-300	301-302
क. वर्ष और पुरस्कृत लेखक (1955-1979)	1-22	293-294		
ख. 1980-1999	23-42	294		
ग. 2000-2024	43-67	294-295		
घ. विशेष प्रश्न	68-91	295-297		
सेट-31 : ज्ञानपीठ पुरस्कार (हिंदी) तथा व्यास सम्मान	61 प्रश्न	303-306	307-308	309-310
क. ज्ञानपीठ पुरस्कार	1-19	303		
ख. व्यास सम्मान	20-50	303-305		
ग. मिश्रित	51-61	305-306		

सेट-1 : आधुनिक काल : पृष्ठभूमि, नामकरण, काल-विभाजन और नवजागरण

प्रश्न 90

समय 68 मिनट

✓ सही उत्तर +1

आपका स्कोर : ____ / 90

क. नामकरण, सीमा और काल-विभाजन

1. हिंदी साहित्य के इतिहास में 'आधुनिक काल' नाम सर्वप्रथम किसने प्रयुक्त किया?

- (क) मिश्रबंधु
(ख) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(ग) ग्रियर्सन
(घ) डॉ. रामकुमार वर्मा

2. आचार्य शुक्ल ने आधुनिक काल का आरंभ किस संवत् से माना है?

- (क) संवत् 1900 (ख) संवत् 1875
(ग) संवत् 1925 (घ) संवत् 1950

3. शुक्ल के अनुसार काव्य-क्षेत्र में 'नई धारा : प्रथम उत्थान' का समय क्या है?

- (क) सं. 1900-1925 (ख) सं. 1950-1975
(ग) सं. 1975-2000 (घ) सं. 1925-1950

4. शुक्ल ने द्विवेदी युग को किस खंड में रखा है?

- (क) नई धारा : प्रथम उत्थान
(ख) नई धारा : तृतीय उत्थान
(ग) नई धारा : द्वितीय उत्थान
(घ) गद्य का आविर्भाव

5. डॉ. नगेन्द्र ने द्विवेदी युग को किस नाम से अभिहित किया है?

- (क) पुनर्जागरण काल (ख) जागरण-सुधार काल
(ग) राष्ट्रीय जागरण काल (घ) परिवर्तन काल

6. डॉ. नगेन्द्र ने भारतेन्दु युग को क्या नाम दिया है?

- (क) पुनर्जागरण काल (ख) जागरण-सुधार काल
(ग) आधुनिक काल (घ) नवोत्थान काल

7. 'आधुनिक काल' की सीमा मिश्रबंधुओं ने किस नाम से किन-किन खंडों में बाँटी है?

- (क) आरंभिक तथा माध्यमिक काल
(ख) अलंकृत तथा परिवर्तन काल
(ग) पूर्व तथा उत्तर आधुनिक काल
(घ) परिवर्तन काल तथा वर्तमान काल

8. रामविलास शर्मा के अनुसार हिंदी नवजागरण का आरंभ किस वर्ष की घटना से माना जाता है?

- (क) 1800 ई. (ख) 1885 ई.
(ग) 1857 ई. (घ) 1905 ई.

9. 'रेनेसाँ' (पुनर्जागरण) शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किसने किया माना जाता है?

- (क) मैक्स मूलर
(ख) मिशले (फ्रांसीसी इतिहासकार)
(ग) जॉन गिलक्राइस्ट
(घ) मैकाले

10. रामविलास शर्मा ने हिंदी नवजागरण को किन दो भागों में बाँटा?

- (क) लोकजागरण (भक्ति आंदोलन) तथा नवजागरण (आधुनिक काल)
(ख) सामंती जागरण तथा राष्ट्रीय जागरण
(ग) धार्मिक जागरण तथा राजनीतिक जागरण
(घ) भक्ति जागरण तथा रीति जागरण

11. हिंदी नवजागरण की अवधारणा के संदर्भ में 'नवजागरण का अग्रदूत' किसे कहा जाता है?

- (क) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(ख) राजा राममोहन राय
(ग) राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद
(घ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

12. 'आधुनिक काल' को 'गद्य-काल' कहने का प्रमुख कारण क्या है?

- (क) इस काल में पद्य का लेखन बंद हो गया
(ख) केवल नाटक विधा लिखी गई
(ग) इस काल में गद्य का प्रवर्तन, विकास और व्यापक प्रसार हुआ
(घ) इस काल में खड़ी बोली का प्रयोग नहीं हुआ

13. भारतेन्दु युग की काल-सीमा रामकुमार वर्मा ने क्या मानी है?

- (क) 1868-1893 ई. (ख) 1870-1900 ई.
(ग) 1857-1900 ई. (घ) 1865-1900 ई.

14. रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार भारतेन्दु युग की काल-सीमा क्या है?

- (क) 1868-1893 ई. (ख) 1870-1900 ई.
(ग) 1857-1900 ई. (घ) 1850-1885 ई.

15. रामविलास शर्मा के अनुसार भारतेन्दु युग (नवजागरण काल) की सीमा क्या है?

- (क) 1868-1893 ई. (ख) 1843-1868 ई.
(ग) 1875-1900 ई. (घ) 1857-1900 ई.

16. केसरीनारायण शुक्ल ने भारतेन्दु युग को कब से कब तक माना?

- (क) 1857-1900 ई. (ख) 1870-1900 ई.
(ग) 1865-1900 ई. (घ) 1868-1893 ई.

17. भारतेन्दु युग से ठीक पहले का 1843-1867 ई. का काल भारतेन्दु युग की क्या कहा जाता है?

- (क) द्विवेदी युग
(ख) पृष्ठभूमि (भारतेन्दु-पूर्व काल)
(ग) छायावाद
(घ) प्रयोगवाद

18. सुमेलित कीजिए – (काल-विभाजन / प्रस्तावक)

सूची-I	सूची-II
A. सं. 1925-1950 नई धारा : प्रथम उत्थान	1. डॉ. नगेन्द्र
B. जागरण-सुधार काल	2. रामविलास शर्मा
C. 1857-1900 नवजागरण काल	3. रामचन्द्र शुक्ल
D. 1870-1900 भारतेन्दु युग	4. रामकुमार वर्मा

- (क) A - 1, B - 3, C - 2, D - 4
(ख) A - 3, B - 1, C - 2, D - 4
(ग) A - 3, B - 1, C - 4, D - 2
(घ) A - 3, B - 2, C - 1, D - 4

62. हिंदी नवजागरण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

- I. 1875 में दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की।
 - II. 'सत्यार्थ प्रकाश' संस्कृत भाषा में रचित है।
 - III. 1893 में काशी में नागरी प्रचारिणी सभा बनी।
 - IV. 1885 में कांग्रेस की स्थापना हुई।
- (क) केवल I और III (ख) I, II, III और IV
(ग) केवल I, III और IV (घ) केवल I और IV

63. निम्नलिखित कथनों में सत्य/असत्य की पहचान कीजिए :

- I. 'उदन्त मार्तण्ड' 1826 में कलकत्ता से निकला।
 - II. 'सरस्वती' का प्रकाशन 1893 में आरंभ हुआ।
 - III. फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना 1800 में हुई।
 - IV. हिंदी साहित्य सम्मेलन की स्थापना 1910 में हुई।
- (क) I असत्य, II असत्य, III सत्य, IV सत्य
(ख) I सत्य, II सत्य, III सत्य, IV सत्य
(ग) I सत्य, II असत्य, III सत्य, IV सत्य
(घ) I सत्य, II असत्य, III असत्य, IV सत्य

64. निम्नलिखित कथनों में कितने सही हैं?

- I. महावीर प्रसाद द्विवेदी 1903 से 'सरस्वती' के संपादक बने।
 - II. 'बालाबोधिनी' भारतेन्दु की स्त्री-पत्रिका थी।
 - III. 'बनारस अखबार' तारामोहन मित्र ने निकाला।
 - IV. 'समाचार सुधावर्षण' हिंदी का पहला दैनिक है।
- (क) केवल एक (ख) केवल दो
(ग) केवल तीन (घ) सभी चार

65. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : भारतेन्दु युग को पुनर्जागरण काल कहा जाता है।
कारण (R) : इस युग में सामाजिक-धार्मिक सुधार, राष्ट्रीय चेतना तथा भाषा-साहित्य का नवोन्मेष हुआ।

(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

66. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : आधुनिक काल को 'गद्य-काल' कहा जाता है।
कारण (R) : इस काल में कविता की रचना पूरी तरह रुक गई थी।

(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

67. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : हिंदी में सहज-सरल खड़ी बोली गद्य का प्रवर्तन फोर्ट विलियम कॉलेज की देन माना जाता है।
कारण (R) : गिलक्राइस्ट ने हिंदी-उर्दू लेखकों से पाठ्य-पुस्तकें लिखवाईं।

(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

68. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : द्विवेदी युग में खड़ी बोली काव्य-भाषा के रूप में प्रतिष्ठित हुई।
कारण (R) : द्विवेदी ने 'सरस्वती' में ब्रजभाषा के प्रयोग को रोककर खड़ी बोली अपनाने का आग्रह किया।

(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

69. निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रम में रखिए :

- A. उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन (1826)
 - B. सरस्वती का प्रकाशन (1900)
 - C. फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना (1800)
 - D. कवि वचन सुधा का प्रकाशन (1868)
- (क) D → A → C → B (ख) C → A → D → B
(ग) C → B → A → D (घ) B → A → D → C

70. निम्नलिखित को कालक्रम से लगाइए :

- A. आर्य समाज (1875)
 - B. ब्रह्म समाज (1828)
 - C. रामकृष्ण मिशन (1897)
 - D. प्रार्थना समाज (1867)
- (क) A → B → D → C (ख) B → A → C → D
(ग) C → D → B → A (घ) B → D → A → C

71. कालक्रम से लगाइए :

- A. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना (1885)
 - B. हिंदी साहित्य सम्मेलन (1910)
 - C. नागरी प्रचारिणी सभा (1893)
 - D. बंग-भंग (1905)
- (क) A → C → D → B (ख) B → C → A → D
(ग) A → C → B → D (घ) A → D → C → B

घ. पूर्वापर संबंध और मिश्रित**72. आधुनिक काल की किस विशेषता को 'शुक्ल' आधुनिकता का मूल मानते हैं?**

- (क) रहस्यवाद की प्रधानता
(ख) दरबारी शृंगार
(ग) गद्य का आविर्भाव तथा बुद्धिवाद का प्रवेश
(घ) भक्ति की प्रधानता

73. आधुनिक काल के प्रवेशद्वार पर किसे हिंदी गद्य का 'निर्माता' मानकर प्रस्तुत किया जाता है?

- (क) जॉन गिलक्राइस्ट
(ख) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(ग) लल्लू लाल
(घ) सदल मिश्र

74. 'हिंदी नई चाल में ढली' — यह किस वर्ष की मान्यता है?

- (क) 1873 ई. (ख) 1868 ई.
(ग) 1857 ई. (घ) 1900 ई.

75. आधुनिक काल की पहली कविता-धारा (भारतेन्दु युग) के लिए सामान्यतः कौन-सी विशेषता मानी जाती है?

- (क) रहस्यवाद और प्रकृति-प्रेम
(ख) प्रयोगवादी बौद्धिकता
(ग) नयी कविता की क्षणवादिता
(घ) राष्ट्रीयता, समाज-सुधार और ब्रजभाषा-खड़ी बोली का द्वैत

62. सुमेलित कीजिए – (काव्यधारा / प्रवर्तक या प्रतिनिधि)

सूची-I	सूची-II
A. प्रयोगवाद	1. अज्ञेय
B. प्रपद्यवाद	2. बच्चन
C. हालावाद	3. नलिन विलोचन शर्मा
D. प्रगतिवाद	4. नागार्जुन

- (क) A - 1, B - 4, C - 2, D - 3
 (ख) A - 1, B - 3, C - 4, D - 2
 (ग) A - 4, B - 3, C - 2, D - 1
 (घ) A - 1, B - 3, C - 2, D - 4

63. सुमेलित कीजिए – (वर्ष / घटना)

सूची-I	सूची-II
A. 1936	1. 'नयी कविता' पत्रिका
B. 1943	2. तार सप्तक
C. 1954	3. प्रारंभ संकलन
D. 1963	4. प्रगतिशील लेखक संघ का लखनऊ अधिवेशन

- (क) A - 4, B - 2, C - 1, D - 3
 (ख) A - 4, B - 1, C - 2, D - 3
 (ग) A - 3, B - 2, C - 1, D - 4
 (घ) A - 4, B - 3, C - 1, D - 2

64. कथनों पर विचार कीजिए :

- I. 'साकेत' में उर्मिला का विरह वर्णित है।
 II. 'प्रिय प्रवास' खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य है।
 III. 'कामायनी' के रचयिता पंत हैं।
 IV. 'लोकायतन' पंत की कृति है।
 (क) I, II, III और IV
 (ख) केवल I और II
 (ग) केवल I और IV
 (घ) केवल I, II और IV

65. सत्य/असत्य :

- I. 'मधुशाला' बच्चन की रचना है।
 II. 'परिमल' महादेवी की रचना है।
 III. 'यामा' महादेवी की रचना है।
 IV. 'उर्वशी' दिनकर की रचना है।
 (क) I सत्य, II असत्य, III सत्य, IV सत्य
 (ख) I सत्य, II असत्य, III सत्य, IV असत्य
 (ग) I असत्य, II असत्य, III सत्य, IV सत्य
 (घ) I सत्य, II सत्य, III सत्य, IV सत्य

66. कितने सही हैं?

- I. 'रश्मिरेथी' दिनकर का खंडकाव्य है।
 II. 'जयद्रथ वध' गुप्त की रचना है।
 III. 'आँसू' प्रसाद की रचना है।
 IV. 'ग्राम्या' निराला की रचना है।
 (क) केवल एक
 (ख) केवल दो
 (ग) केवल तीन
 (घ) सभी चार

घ. कालक्रम**67. रचना-प्रकाशन के क्रम में लगाइए :**

- A. कामायनी (1935)
 B. साकेत (1932)
 C. प्रिय प्रवास (1914)
 D. भारत-भारती (1912)
 (क) D → A → C → B
 (ख) D → C → B → A
 (ग) C → B → D → A
 (घ) B → C → D → A

68. जन्म-वर्ष के आरोही क्रम में लगाइए :

- A. मैथिलीशरण गुप्त (1886)
 B. प्रसाद (1889)
 C. भारतेन्दु (1850)
 D. निराला (1896)
 (क) C → D → B → A
 (ख) C → A → B → D
 (ग) C → D → A → B
 (घ) A → B → C → D

69. जन्म-वर्ष के आरोही क्रम में लगाइए :

- A. महादेवी (1907)
 B. अज्ञेय (1911)
 C. पंत (1900)
 D. दिनकर (1908)
 (क) D → A → C → B
 (ख) C → A → D → B
 (ग) C → B → A → D
 (घ) B → A → D → C

70. आंदोलन के उदय-क्रम में लगाइए :

- A. प्रयोगवाद
 B. छायावाद
 C. नयी कविता
 D. प्रगतिवाद
 (क) A → B → D → C
 (ख) B → A → C → D
 (ग) C → D → B → A
 (घ) B → D → A → C

71. काव्य-रचना के क्रम में लगाइए :

- A. पंत – पल्लव
 B. मुक्तिबोध – चाँद का मुँह टेढ़ा है
 C. निराला – परिमल
 D. दिनकर – कुरुक्षेत्र
 (क) A → C → D → B
 (ख) B → C → A → D
 (ग) A → C → B → D
 (घ) A → D → C → B

72. हिंदी के किस कवि को सर्वप्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार (1968) मिला?

- (क) महादेवी वर्मा
 (ख) रामधारी सिंह दिनकर
 (ग) सुमित्रानंदन पंत
 (घ) अज्ञेय

73. दिनकर को ज्ञानपीठ पुरस्कार किस कृति पर मिला?

- (क) कुरुक्षेत्र
 (ख) उर्वशी (1972)
 (ग) रश्मिरेथी
 (घ) परशुराम की प्रतीक्षा

73. सही कथन चुनिए :

- I. 'कामायनी' में 15 सर्ग हैं।
 - II. 'साकेत' में 12 सर्ग हैं।
 - III. 'प्रिय प्रवास' में 17 सर्ग हैं।
 - IV. 'उर्वशी' में 8 अंक हैं।
- (क) केवल I और III
(ख) केवल I और II
(ग) केवल II और III
(घ) केवल I, II और III

74. सत्य/असत्य :

- I. 'जयद्रथ वध' गुप्त का खंडकाव्य है।
 - II. 'अनामिका' महादेवी की रचना है।
 - III. 'गुंजन' पंत का संग्रह है।
 - IV. 'लहर' प्रसाद की रचना है।
- (क) I सत्य, II सत्य, III सत्य, IV सत्य
(ख) I सत्य, II असत्य, III असत्य, IV सत्य
(ग) I असत्य, II असत्य, III सत्य, IV सत्य
(घ) I सत्य, II असत्य, III सत्य, IV सत्य

75. सत्य/असत्य :

- I. 'सेवासदन' प्रेमचन्द का उपन्यास है।
 - II. 'परीक्षा गुरु' 1882 का उपन्यास है।
 - III. 'चंद्रकांता' के लेखक गोपालराम गहमरी हैं।
 - IV. 'गोदान' 1936 में प्रकाशित हुआ।
- (क) I सत्य, II सत्य, III असत्य, IV सत्य
(ख) I सत्य, II असत्य, III असत्य, IV सत्य
(ग) I सत्य, II सत्य, III सत्य, IV सत्य
(घ) I सत्य, II सत्य, III असत्य, IV असत्य

76. कितने सही हैं?

- I. महादेवी वर्मा को ज्ञानपीठ मिला।
 - II. पंत को प्रथम हिंदी ज्ञानपीठ मिला।
 - III. अज्ञेय को ज्ञानपीठ 1978 में मिला।
 - IV. दिनकर को ज्ञानपीठ 'कुरुक्षेत्र' पर मिला।
- (क) केवल एक
(ख) केवल दो
(ग) केवल तीन
(घ) सभी चार

77. कितने सही हैं?

- I. 'अंधा युग' भारती की रचना है।
 - II. 'कनुप्रिया' भारती की रचना है।
 - III. 'आत्मजयी' कुँवर नारायण की है।
 - IV. 'मगध' केदारनाथ सिंह की है।
- (क) केवल एक
(ख) केवल दो
(ग) केवल तीन
(घ) सभी चार

78. कितने सही हैं?

- I. 'अंधेर नगरी' भारतेन्दु का प्रहसन है।
 - II. 'ध्रुवस्वामिनी' प्रसाद की रचना है।
 - III. 'आषाढ़ का एक दिन' राकेश का नाटक है।
 - IV. 'कोणार्क' भुवनेश्वर की रचना है।
- (क) केवल एक
(ख) केवल दो
(ग) केवल तीन
(घ) सभी चार

79. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : प्रयोगवाद में प्रयोग साधन है, साध्य नहीं।
कारण (R) : अज्ञेय ने तार सप्तक की भूमिका में ऐसा कहा।
(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

80. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : छायावाद को 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' कहा गया।
कारण (R) : छायावाद में सूक्ष्म भावनाओं और व्यक्तिगत अनुभूति का अभिव्यक्ति है।
(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

81. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : प्रगतिवादी कविता में रहस्यवाद प्रमुख है।
कारण (R) : प्रगतिवाद मार्क्सवादी दृष्टि पर आधारित है।
(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

82. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : 'गोदान' ग्रामीण जीवन का महाकाव्य कहा जाता है।
कारण (R) : यह होरी की त्रासदी के माध्यम से किसान-जीवन का चित्र देता है।
(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

83. प्रकाशन-वर्ष के आरोही क्रम में लगाइए :

- A. गोदान
B. मैला आँचल
C. सेवासदन
D. परीक्षा गुरु
- (क) B → C → D → A
(ख) D → A → C → B
(ग) D → C → A → B
(घ) A → C → B → D

84. आंदोलन के उदय-क्रम में लगाइए :

- A. प्रगतिवाद
B. द्विवेदी युग
C. छायावाद
D. नयी कविता
- (क) B → D → C → A
(ख) B → C → A → D
(ग) D → C → A → B
(घ) B → A → C → D

सेट-1 : उत्तर-सारणी

1 - ख	2 - क	3 - घ	4 - ग	5 - ख	6 - क	7 - घ	8 - ग	9 - ख	10 - क
11 - घ	12 - ग	13 - ख	14 - क	15 - घ	16 - ग	17 - ख	18 - ख	19 - ग	20 - ग
21 - ख	22 - क	23 - घ	24 - ग	25 - ख	26 - क	27 - घ	28 - ग	29 - ख	30 - क
31 - घ	32 - ग	33 - ख	34 - क	35 - घ	36 - ग	37 - ख	38 - क	39 - घ	40 - ग
41 - ख	42 - क	43 - घ	44 - ग	45 - ख	46 - क	47 - घ	48 - ग	49 - ख	50 - क
51 - घ	52 - ग	53 - ख	54 - क	55 - घ	56 - ग	57 - ख	58 - क	59 - घ	60 - ग
61 - ख	62 - ग	63 - ग	64 - ग	65 - क	66 - ग	67 - क	68 - क	69 - ख	70 - घ
71 - क	72 - ग	73 - ख	74 - क	75 - घ	76 - ग	77 - ख	78 - क	79 - घ	80 - ग
81 - ख	82 - क	83 - घ	84 - ग	85 - ख	86 - क	87 - घ	88 - ग	89 - ख	90 - क

उत्तरमाला एवं व्याख्या

क. नामकरण, सीमा और काल-विभाजन

1. (ख) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

शुक्ल ने 'हिंदी साहित्य का इतिहास' में इस काल को 'आधुनिक काल' कहा और उसे गद्य-काल के रूप में पहचाना।

2. (क) संवत् 1900

शुक्ल — आधुनिक काल सं. 1900 (1843 ई.) से; गद्य का आविर्भाव इसी की देन है।

3. (घ) सं. 1925-1950

शुक्ल — प्रथम उत्थान सं. 1925-1950 (1868-1893 ई.) = भारतेन्दु युग।

4. (ग) नई धारा : द्वितीय उत्थान

शुक्ल — द्वितीय उत्थान सं. 1950-1975 (1893-1918 ई.)।

5. (ख) जागरण-सुधार काल

नगेन्द्र — भारतेन्दु युग 'पुनर्जागरण काल' तथा द्विवेदी युग 'जागरण-सुधार काल' (1900-1918)।

6. (क) पुनर्जागरण काल

नगेन्द्र — पुनर्जागरण काल (1857-1900)।

7. (घ) परिवर्तन काल तथा वर्तमान काल

मिश्रबंधु — आरंभिक, माध्यमिक, अलंकृत, परिवर्तन तथा वर्तमान; अंतिम दो आधुनिक काल से जुड़ते हैं।

8. (ग) 1857 ई.

रामविलास शर्मा — 1857 का स्वतंत्रता संग्राम हिंदी नवजागरण का आरंभ-बिंदु।

9. (ख) मिशले (फ्रांसीसी इतिहासकार)

मिशले ने 19वीं सदी के पूर्वार्द्ध में 'टेनेसाँ' शब्द का प्रयोग किया।

10. (क) लोकजागरण (भक्ति आंदोलन) तथा नवजागरण (आधुनिक काल)

रामविलास — भक्ति आंदोलन = लोकजागरण; आधुनिक काल = नवजागरण।

11. (घ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

भारतेन्दु हिंदी नवजागरण के अग्रदूत माने जाते हैं।

12. (ग) इस काल में गद्य का प्रवर्तन, विकास और व्यापक प्रसार हुआ

आधुनिक काल में गद्य की सभी विधाएँ आईं; इसीलिए इसे गद्य-काल कहा गया।

13. (ख) 1870-1900 ई.

रामकुमार वर्मा — 1870-1900; शुक्ल — 1868-1893; रामविलास — 1857-1900।

14. (क) 1868-1893 ई.

शुक्ल की मान्यता — सं. 1925-1950 = 1868-1893 ई.।

15. (घ) 1857-1900 ई.

रामविलास शर्मा — 1857 से 1900 तक।

16. (ग) 1865-1900 ई.

केसरीनारायण शुक्ल की सीमा — 1865-1900।

17. (ख) पृष्ठभूमि (भारतेन्दु-पूर्व काल)

1843-1867 तक का कृतित्व भारतेन्दु युग की पृष्ठभूमि माना जाता है।

18. (ख) A - 3, B - 1, C - 2, D - 4

शुक्ल — सं. 1925-50; नगेन्द्र — जागरण-सुधार काल; रामविलास — 1857-1900; रामकुमार वर्मा — 1870-1900।

19. (ग) केवल I, III और IV

॥ गलत — शुक्ल ने सं. 1900 से माना; सं. 1925 से भारतेन्दु युग (प्रथम उत्थान) आरंभ होता है। सही कथन I, III और IV हैं।

ख. सामाजिक-राजनीतिक पृष्ठभूमि

20. (ग) ब्रिटिश क्राउन (महारानी विक्टोरिया)

1858 के अधिनियम से कंपनी का शासन समाप्त हुआ, शासन ब्रिटिश क्राउन के अधीन।

21. (ख) 1858 ई.

1 नवंबर 1858 — कंपनी राज की समाप्ति की घोषणा।

22. (क) 1885 ई., ए.ओ. ह्यूम

कांग्रेस की स्थापना 1885 में ए.ओ. ह्यूम ने की; प्रथम अध्यक्ष डब्ल्यू.सी. बनर्जी।

23. (घ) राजा राममोहन राय, 1828

ब्रह्म समाज — राजा राममोहन राय (1828, कलकत्ता)।

यह केवल नमूना (Sample) है

पूरी PDF में आपको मिलेगा —

- 📖 आधुनिक काल (काव्य + गद्य) — 2,570 MCQ, 31 टॉपिक-वार सेट
- 📝 भारतेन्दु युग से समकालीन कविता; उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना, आत्मकथा-संस्मरण
- 🏆 दलित विमर्श, साहित्य अकादमी, ज्ञानपीठ और व्यास सम्मान पर अलग सेट
- 🕒 मॉक टेस्ट — 100 प्रश्न (टफ लेवल)
- 🎯 कथन, सत्य/असत्य, अभिकथन-कारण, मिलान, कालक्रम — UGC NET/JRF स्तर के प्रश्न
- ✅ हर सेट के बाद उत्तर-सारणी + उत्तरमाला-व्याख्या
- 📝 हर सेट के बाद अपने नोट्स लिखने के पृष्ठ
- 📄 कुल 311 पृष्ठ • क्लिक करने योग्य विषय-सूची

केवल ₹99

🛒 पूरी PDF अभी खरीदें — store.hindisahity.com

→ 📱 कोई प्रश्न? WhatsApp करें: 9680260474

UGC NET/JRF • SET • TGT • PGT • UPSC • RPSC — सभी हिंदी साहित्य परीक्षाओं के लिए उपयोगी